पुराने किलों का पर्यटन स्थलों के रूप में विकास

1159. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने पर्यटन स्थलों के रूप में पुराने किलों के विकास के लिए कोई विशेष योजना बनायी है; और

(ख) यदि हां, तो किन किन क्षेत्रों और पर्यटन स्थलों को अब तक विकसित किया गया है और इस प्रयोजन हेतु अब तक कितनी वित्तीय सहायता प्रदान की गई है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) पुराने किलों का पर्यटक स्थलों के रूप में विकास करने की जिम्मेदारी मुख्यत: संबंधित राज्य सरकारों की है । तथापि, केन्द्र सरकार ध्वनि प्रकाश प्रदर्शन, प्रकाश पुंज व्यवस्था और आधारभूत सुविधाओं का विकास करने के लिए प्राप्त विशिष्ट प्रस्तावों के आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान करती है ।

(ख) पुराने किलों के विकास के लिए केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं/स्कीमों का ब्यौरा विवरण में दिया गया है ।

विवरण

क्रम सं.	स्कीमें/परियोजनाएं	स्वीकृत राशि (लाख रु० में)
1.	गोलकुण्डा किले में ध्वनि-प्रकाश प्रदर्शन	49.40
2.	लाल किला दिल्ली में प्रकाश पुंज व्यवस्था	5.46
3.	मन मंदिर ग्वालियर किले में ध्वनि-प्रकाश प्रदर्शन	28.83
4.	आगरा किले में प्रकाश पुंज व्यवस्था	5.00
5.	चित्तौड़गढ़ किले में पर्यटक बंगला	13.15
6.	चित्तौड़गढ़ में कैफेटेरिया	5.94
7.	चित्तौड़गढ़ किले में प्रकाश पुंज व्यवस्था	15.06
8.	चित्तौड़गढ़ में पर्यटक ब्लाक	4.08
9.	मेहरानगढ़ किला, जोधपुर में प्रकाश पुंज व्यवस्था	5.29
10.	उदयपुर किले में साजनगढ़ प्लेस में प्रकाश पुंज व्यवस्था	6.98
11.	राक किला, त्रिचि में प्रकाश पुंज व्यवस्था	5.25
12.	फतेहपुर सीकरी में पर्यटक परिसर	90.00
13.	फतेहपुर सीकरी में जल आपूर्ति	6.79
14.	वारंगल किले में रेस्तरां	8.88
15.	कोंडापल्ली किला, आन्ध्र प्रदेश में स्नैक बार	4.40
16.	नाहरगढ़ किले में कैफेटेरिया	7.80
17.	रणथंभौर किले में शौचालय ब्लाक	0.53
18.	केसरवयारी, अंबर किले में कैफेटेरिया	9.43